पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग,
बिहार

# अंतर्राष्ट्रीय चिम्पांजी दिवस

# INTERNATIONAL CHIMPANZEE DAY

## 14-जुलाई-2025

संजय गाँधी जैविक उद्यान, पटना

SANJAY GANDHI BIOLOGICAL PARK, PATNA

# चिंपांज़ी की सामान्य जानकारी

| | |
|---|---|
| **हिन्दी नाम** | चिंपांज़ी |
| **वैज्ञानिक नाम** | *Pan troglodytes* |
| **परिवार** | होमिनिडी (Hominidae) |
| **आवास** | अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय वर्षावनों और घास के मैदानों में |
| **आयु** | जंगल में लगभग 33-40 वर्ष<br>जबकि चिड़ियाघर में 50 वर्ष या अधिक |
| **खाद्य आदत** | सर्वाहारी (फल, पत्तियाँ, कीड़े, अंडे, और कभी-कभी मांस) |
| **वजन** | नर – 40 से 60 किलोग्राम;<br>मादा – 30 से 50 किलोग्राम |
| **ऊंचाई** | लगभग 3 से 4 फीट |
| **समाज** | समूह में रहते हैं जिन्हें 'टूप' कहा जाता है |
| **आईयूसीएन स्थिति** | संकटग्रस्त (Endangered) |

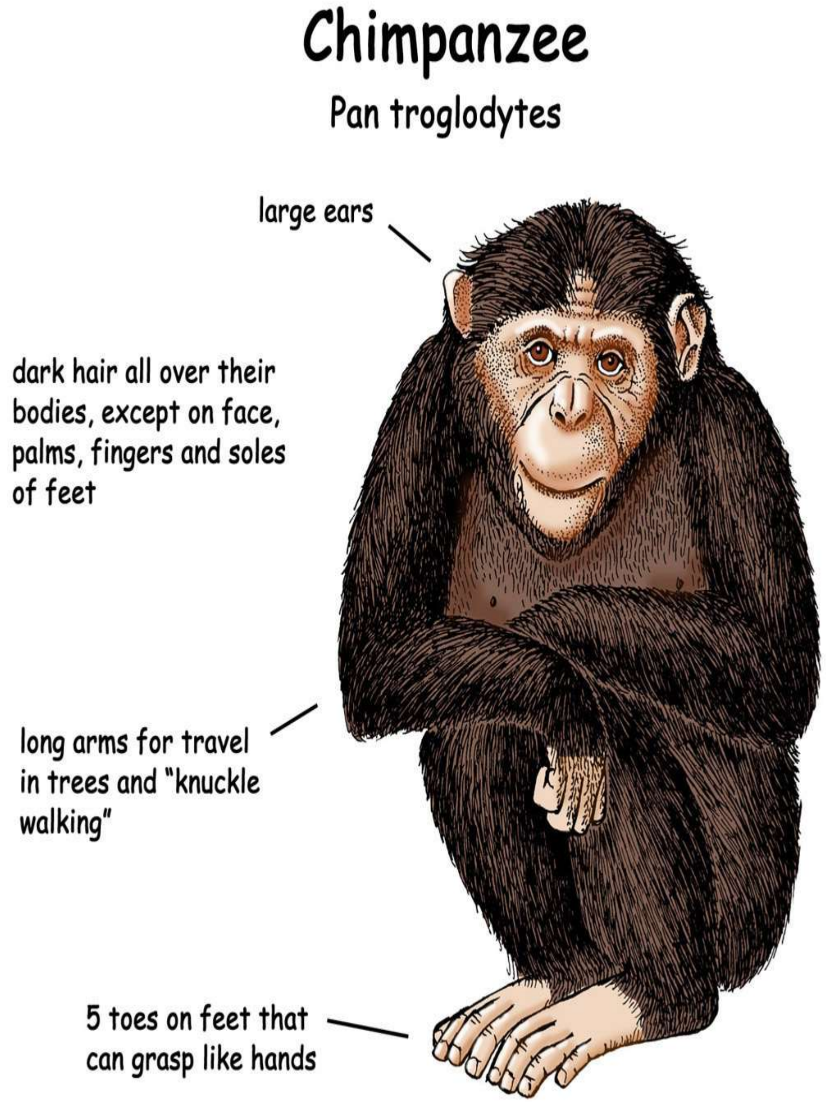

# चिंपांज़ी का वर्गीकरण

| | |
|---|---|
| Kingdom: | Animalia |
| Class: | Mammalia |
| Order: | Primates |
| Family: | Hominidae |
| Tribe: | Hominini |
| Genus: | *Pan* |
| Species: | *troglodytes* |
| Binomial name | *Pan troglodytes* |

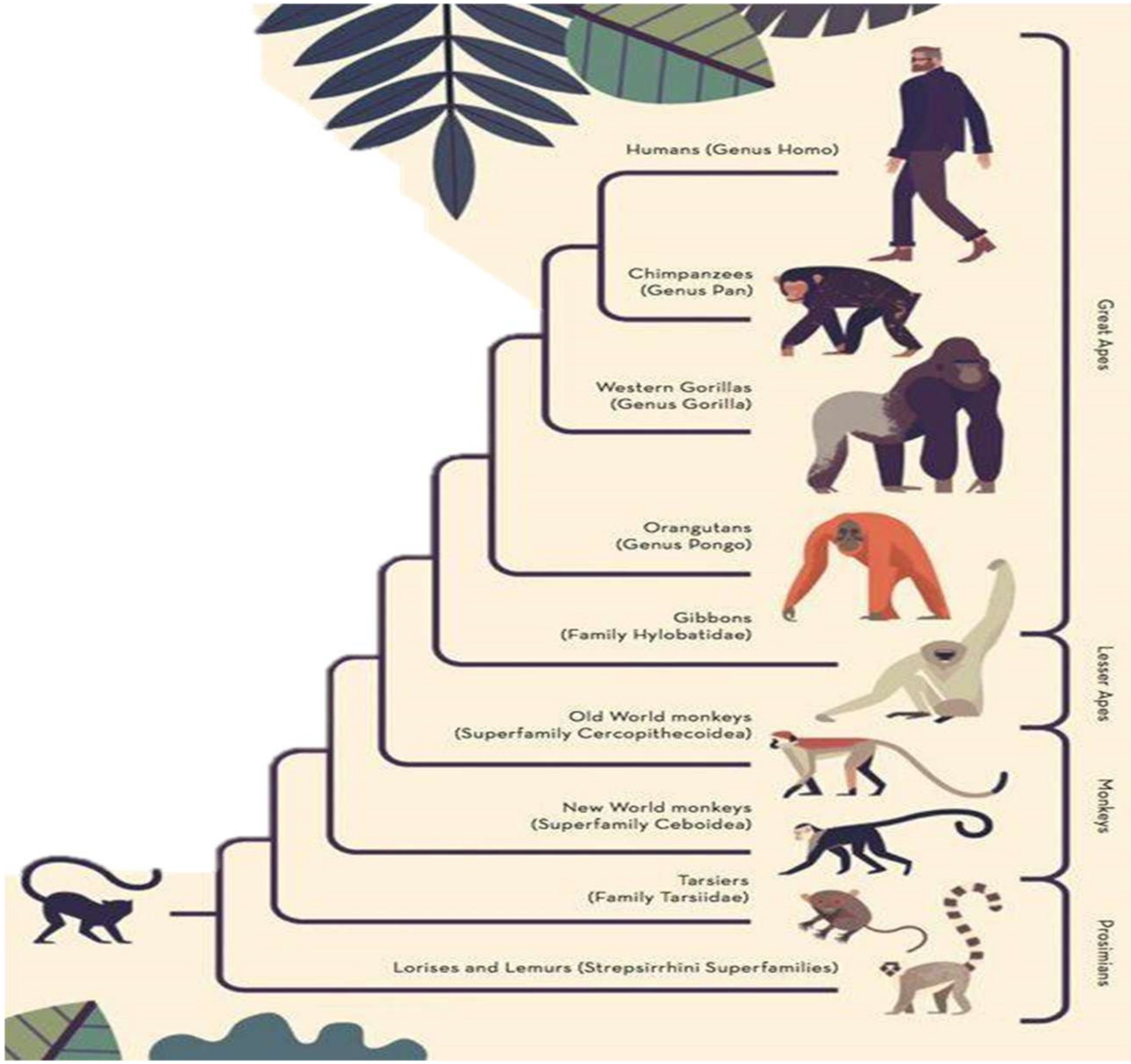

# चिंपांज़ी कहाँ पाए जाते हैं

अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय वर्षावनों में पाए जाते हैं, जैसे कि कांगो, युगांडा और तंज़ानिया।

## चिंपांज़ी की उप-प्रजातियाँ:

**चिंपांज़ी की चार उप-प्रजातियाँ हैं**

- **Central chimpanzee**
- **Eastern chimpanzee**
- **Western chimpanzee**
- **Nigeria-Cameroon chimpanzee**

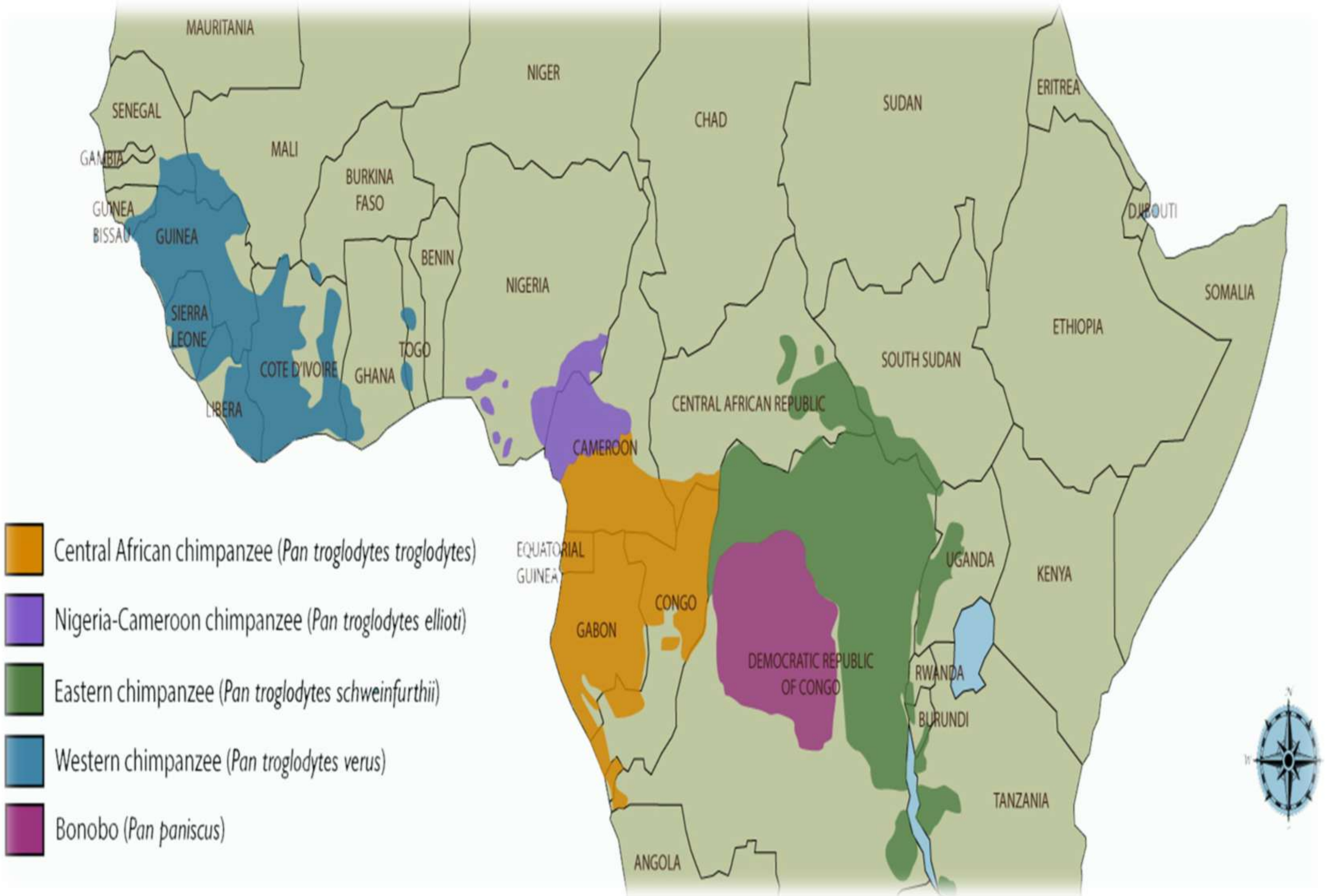


अंतर्राष्ट्रीय चिम्पांजी दिवस
INTERNATIONAL CHIMPANZEE DAY
14 जुलाई

# चिंपांज़ी का गर्भकाल और बच्चों की देखभाल

| | |
|---|---|
| **गर्भावधि** | लगभग 230 से 240 दिन (करीब 7.5 से 8 महीने) |
| **जन्म दर** | आमतौर पर एक ही शावक का जन्म होता है। जुड़वाँ बहुत दुर्लभ हैं। |
| **शावक का वज़न जन्म पर** | लगभग 1.3 से 1.6 किलोग्राम |
| **शिशु देखभाल** | माँ शिशु को लगातार अपनी गोद में रखती है और स्तनपान कराती है। |
| **स्तनपान अवधि** | लगभग 4 से 5 साल तक |
| **माँ से अलग होने की उम्र** | शावक आमतौर पर 5 से 7 साल की उम्र में माँ से पूरी तरह अलग होते हैं। |
| **प्रजनन चक्र** | हर 5 से 6 साल में एक बच्चा |

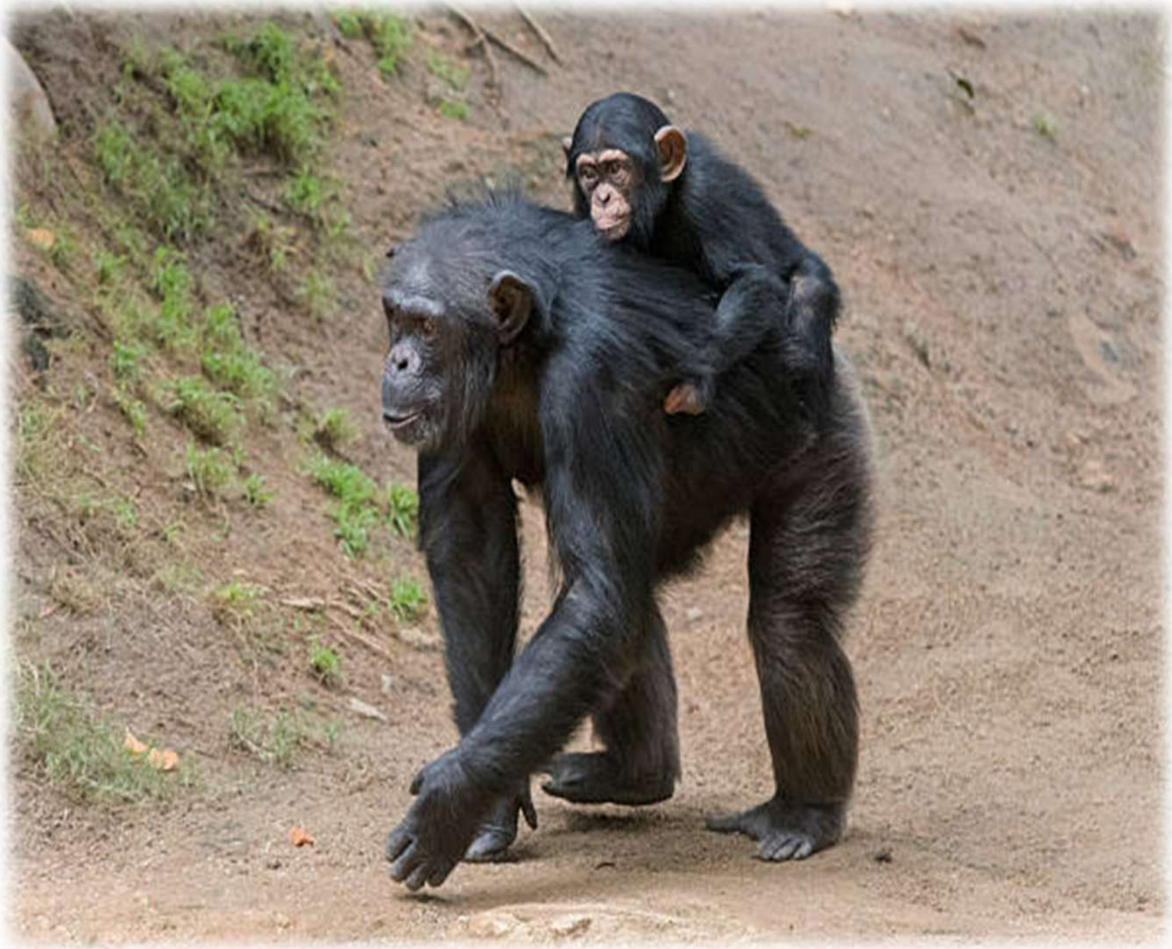

# चिंपांज़ी  से संबंधित रोचक तथ्य

- **चिंपांज़ी और इंसान का डीएनए 98.7% तक मिलता है!** यानी ये हमारे सबसे करीबी जीव हैं।

- **चिंपांज़ी औज़ार (tools) का इस्तेमाल करते हैं!**
  जैसे – लकड़ी की छड़ी से दीमक पकड़ना।

- **खेलते समय चिंपांज़ी हँसते हैं!**
  बच्चों की तरह किलकारियाँ मारते हैं।

- **चिंपांज़ी खुद को आइने में पहचान सकते हैं।**
  यह आत्म-चेतना (self-awareness) की निशानी है।

- **हर चिंपांज़ी की 'फिंगरप्रिंट' अलग होती है।**
  जैसे इंसानों की होती है!

**अंतर्राष्ट्रीय चिम्पांजी दिवस**
**INTERNATIONAL CHIMPANZEE DAY**
**14 जुलाई**

# चिंपांज़ी  से संबंधित रोचक तथ्य

- **वे अपने समूह (troop) में रहते हैं**, जिनमें एक लीडर होता है जिसे "alpha male" कहा जाता है।

- **हर चिंपांज़ी का व्यक्तित्व अलग होता है** – कोई शांत, कोई शरारती, कोई नेता।

- **चिंपांज़ी इंसानों से 5 गुना अधिक ताकतवर होते हैं!**
  लेकिन फिर भी ज़्यादातर शांत और सामाजिक होते हैं।

- **माँ चिंपांज़ी अपने बच्चे को कई सालों तक पालती हैं।**
  बच्चों को पीठ पर लेकर चलती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय चिम्पांजी दिवस
INTERNATIONAL CHIMPANZEE DAY
14 जुलाई

# चिंपांज़ी  से संबंधित रोचक तथ्य

- **इंसानों जैसे होशियार!**
  चिंपांज़ी **इशारों की भाषा (Sign Language)** सीख सकते हैं, औज़ारों का उपयोग कर सकते हैं और पहेलियाँ हल कर सकते हैं — जैसे इंसान!

- **औज़ारों का इस्तेमाल करते हैं!**
  ये **छड़ी से दीमक पकड़ते हैं, पत्थर से मेवे तोड़ते हैं**, और **पत्तों से पानी पीते हैं**!

- **ये भी हँसते हैं!**
  जब कोई इन्हें गुदगुदी करता है या ये खेलते हैं तो **हँसने की आवाज़** (हूं-हूं जैसी) निकालते हैं।

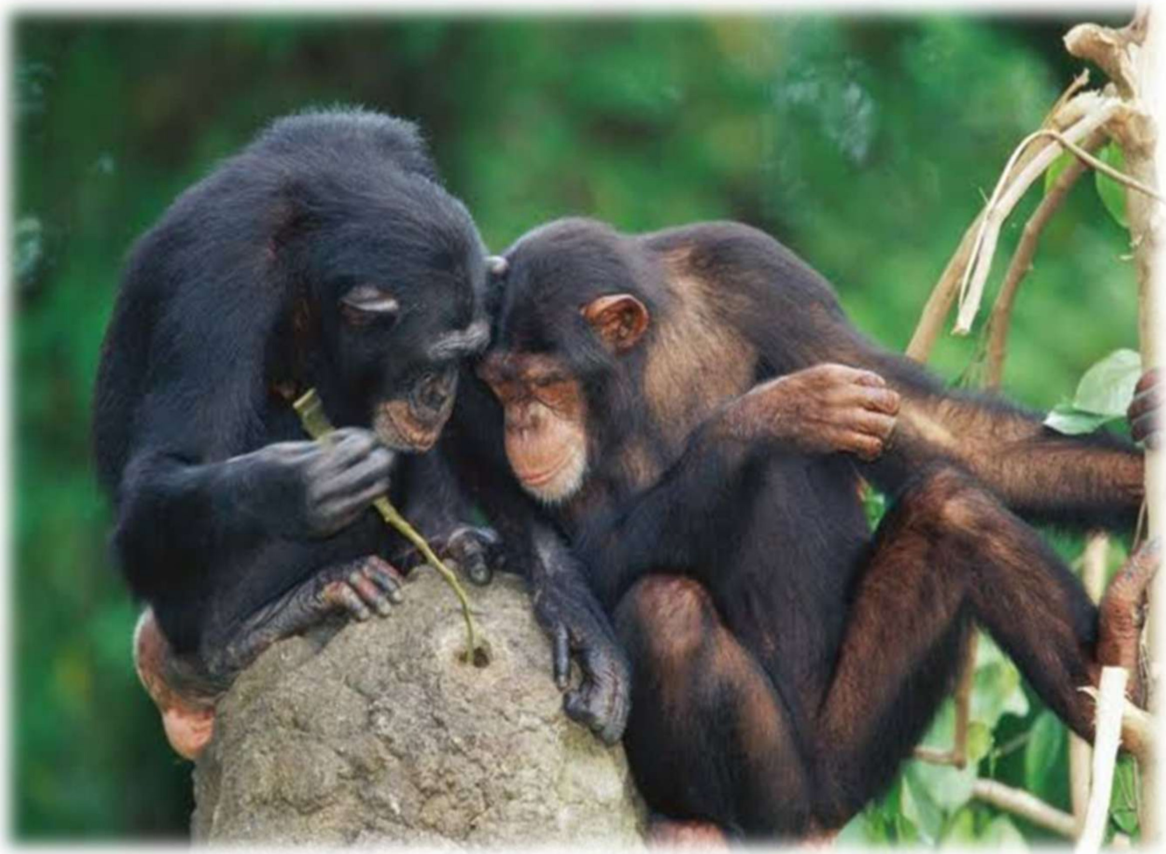

# चिंपांज़ी  से संबंधित रोचक तथ्य

- **सच्चे दोस्त बनते हैं!**
  ये एक-दूसरे की **साफ-सफाई करते हैं (ग्रूमिंग)** और दुखी साथियों को **सांत्वना देते हैं**।

- **खेलने के शौकीन!**
  छोटे चिंपांज़ी **लुका-छिपी खेलते हैं**, **पेड़ों से झूलते हैं**, और **कुश्ती करते हैं** – जैसे आप!

- **गले लगाने वाले!**
  जब वे मिलते हैं या माफ़ी मांगते हैं, तो **गले लगते हैं, चूमते हैं और हाथ पकड़ते हैं**।

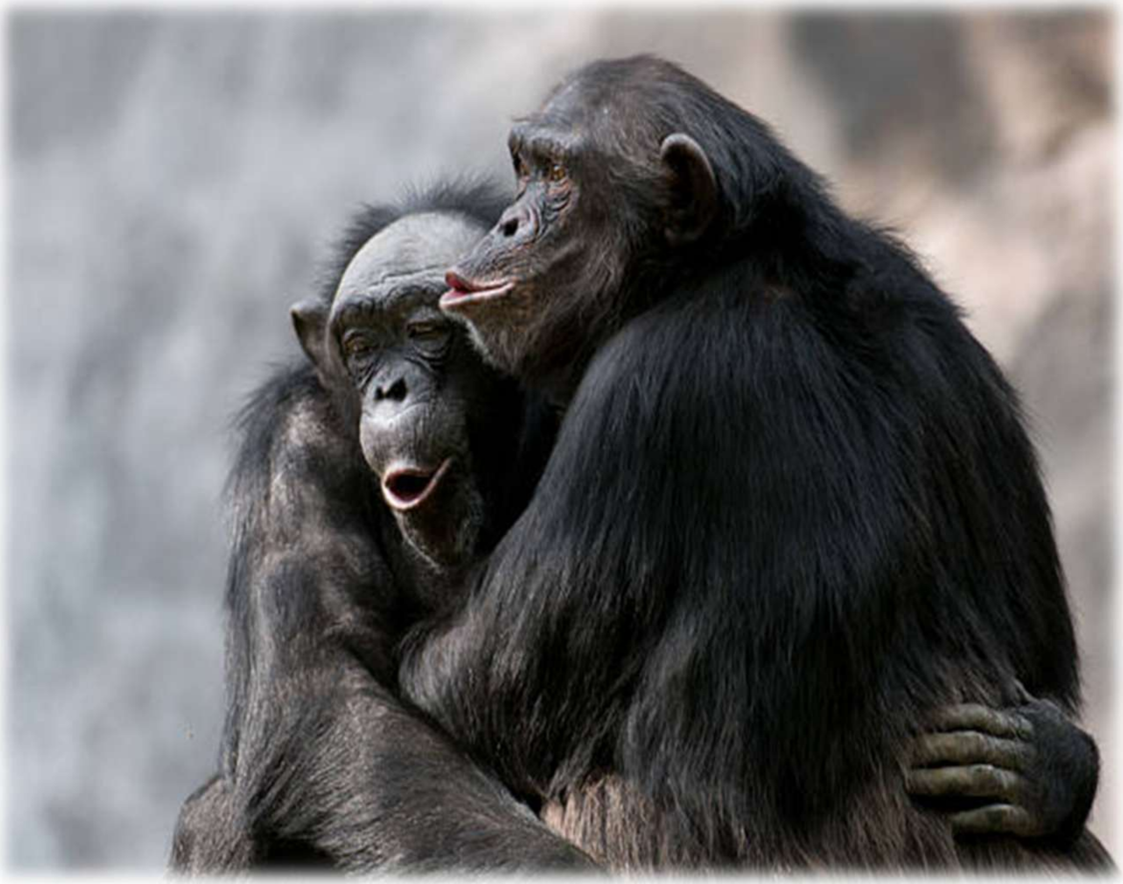

# जेन गुडल और चिंपांज़ियों पर उनका कार्य

- **बोलते बिना बात करते हैं!**
  ये **चेहरे के भाव, इशारे और आवाज़ें** इस्तेमाल करके आपस में बात करते हैं – जैसे मुस्कराना या चिल्लाना।

- **नवजात का स्वागत!**
  जब कोई बच्चा जन्म लेता है, तो पूरा समूह **बहुत कोमल और सावधान हो जाता है** – जैसे जश्न हो रहा हो!

- **सीखते हैं नकल करके!**
  छोटे चिंपांज़ी **बड़ों की नकल करके** सीखते हैं – खाना ढूंढना, खेलना, औज़ार चलाना!

# जेन गुडल और चिंपांज़ियों पर उनका कार्य

- **जेन गुडल** एक प्रसिद्ध ब्रिटिश प्राइमेटोलॉजिस्ट (वनमानुष वैज्ञानिक), जीवविज्ञानी और संरक्षणवादी (Conservationist) हैं।
- वह **दुनिया की अग्रणी चिंपांज़ी विशेषज्ञ** मानी जाती हैं।
- जेन गुडल ने **1960 में तंज़ानिया के गोम्बे नेशनल पार्क** में चिंपांज़ियों के व्यवहार पर अध्ययन शुरू किया।
- उन्होंने **45 साल से भी अधिक समय** जंगल में रहकर चिंपांज़ियों का गहराई से निरीक्षण किया।

- **महत्वपूर्ण खोजें:**
- **औज़ार का उपयोग:**
  जेन गुडल ने पहली बार यह देखा कि चिंपांज़ी **छड़ी का उपयोग करके दीमक पकड़ते हैं**, जिससे यह सिद्ध हुआ कि **इंसानों के अलावा अन्य प्राणी भी औज़ार बना और उपयोग कर सकते हैं।**
- **जटिल सामाजिक जीवन:**
  उन्होंने पाया कि चिंपांज़ी आपस में **दोस्ती, प्यार, सहयोग, झगड़ा, माफी और देखभाल** करते हैं – जैसे इंसानों में होता है।
- **माँ और बच्चे का गहरा संबंध:**
  चिंपांज़ी की माँ अपने बच्चे को कई वर्षों तक **स्तनपान कराती है, सिखाती है और उसकी पूरी देखभाल करती है।**

# जेन गुडल और चिंपांज़ियों पर उनका कार्य

- जेन गुडल ने पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण के लिए **"The Jane Goodall Institute"** की स्थापना की।
- उन्होंने **"Roots & Shoots"** नाम से एक युवा कार्यक्रम शुरू किया जो बच्चों और युवाओं को पर्यावरण और जानवरों की रक्षा के लिए प्रेरित करता है।

- **सम्मान और पुरस्कार:**
- उन्हें कई **राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार** मिल चुके हैं।
- उन्हें **संयुक्त राष्ट्र (UN) द्वारा "शांति की दूत"** (Messenger of Peace) भी घोषित किया गया है।
- जेन गुडल ने दुनिया को यह समझाया कि चिंपांज़ी केवल जानवर नहीं, बल्कि संवेदनशील, बुद्धिमान और सामाजिक प्राणी हैं। उनका जीवनकार्य हमें जानवरों के प्रति करुणा और सम्मान सिखाता है।

# चिंपांज़ी को बचाना क्यों ज़रूरी है

| | |
|---|---|
| प्रजाति का नाम | *Pan troglodytes* (कॉमन चिंपांज़ी) |
| IUCN स्थिति | संकटग्रस्त (Endangered) |
| मूल्यांकन संस्था | IUCN (International Union for Conservation of Nature) |
| आखिरी मूल्यांकन वर्ष | 2016 |
| जनसंख्या प्रवृत्ति | घटती हुई (Decreasing) |
| प्रमुख खतरे | वनों का विनाश, शिकार, अवैध व्यापार, बीमारियाँ |
| संरक्षण की आवश्यकता क्यों है | चिंपांज़ी पारिस्थितिकी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और हमारे निकटतम जीव हैं। |

- **वनों का विनाश (Habitat Loss)**
  कृषि, खनन, और लकड़ी कटाई के कारण चिंपांज़ी का आवास तेज़ी से नष्ट हो रहा है।
- **शिकार और मांस व्यापार (Bushmeat Hunting)**
  कई क्षेत्रों में चिंपांज़ियों को भोजन के लिए मारा जाता है।
- **अवैध व्यापार (Illegal Wildlife Trade)**
  बच्चों को पालतू जानवर या मनोरंजन के लिए पकड़ कर बेचा जाता है।
- **बीमारियाँ (Diseases)**
  मानवों से फैली बीमारियाँ भी चिंपांज़ियों के लिए घातक हो सकती हैं।

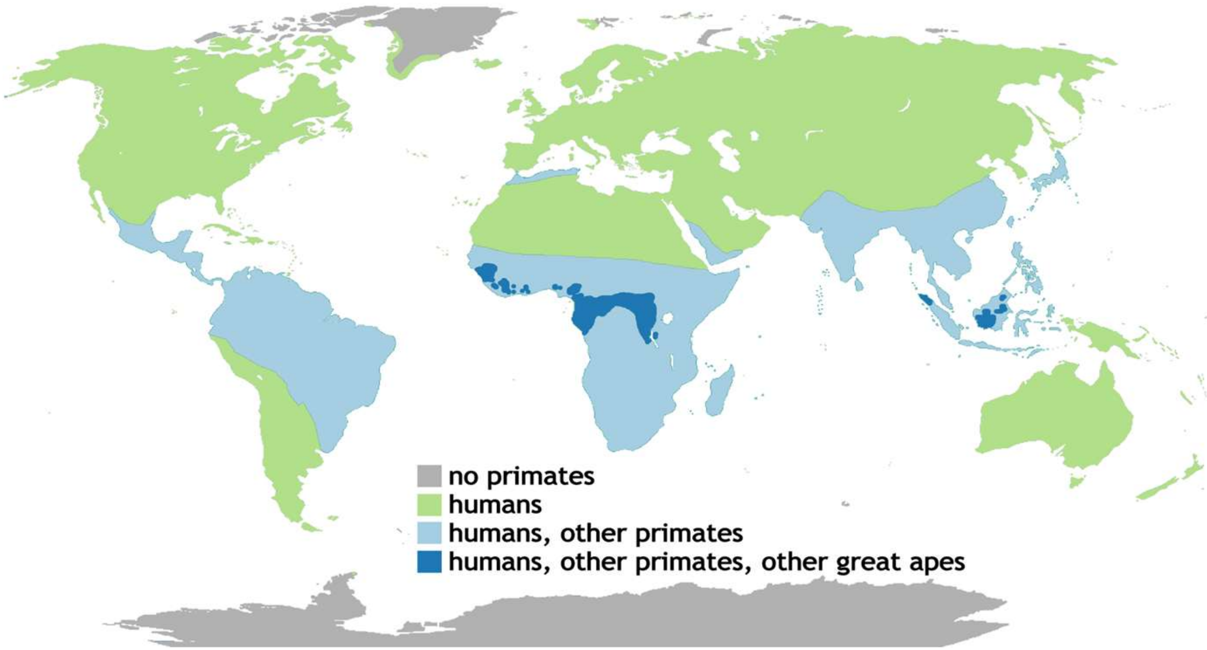


**Key IUCN Status Terms:**

- **CR (Critically Endangered):** Extremely high risk of extinction in the wild.
- **EN (Endangered):** Very high risk of extinction.
- **VU (Vulnerable):** High risk of extinction in the medium-term future.
- **LC (Least Concern):** Relatively safe population.

**अंतर्राष्ट्रीय चिम्पांजी दिवस**
**INTERNATIONAL CHIMPANZEE DAY**
**14 जुलाई**

# पटना जू के चिंपांजी

दिनांक 09.07.2012 को नन्दनकानन जूलॉजिकल पार्क, भुवनेश्वर से वन्यजीवों की अदला-बदली के तहत् एक जोडा चिंपांजी (कार्तिक एवं सुभद्रा) दिनांक 15.07.2012 को पटना जू में लाया गया है। नन्दनकानन जूलॉजिकल पार्क, भुवनेश्वर से चिंपांजी (कार्तिक एवं सुभद्रा) को लाने के लिए पटना जू से एक मादा जिराफ बच्चा (नव्या) को नन्दनकानन जूलॉजिकल पार्क, भुवनेश्वर को दिया गया। कार्तिक का जन्म, माता-पूर्णिमा से दिनांक 14.10.2009 को एवं सुभद्रा का जन्म, माता-पंपिता से 13.07.2010 को नन्दनकानन जूलॉजिकल पार्क, भुवनेश्वर में हुआ था। पटना जू के चिंपांजी दर्शकों में काफी लोकप्रिय है।

| क्र० सं० | चिंपांजी का नाम | नर/मादा | जन्म-तिथि | जन्म स्थान | पटना जू में कब से | वर्तमान आयु | विशेषता |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | कार्तिक | नर | 14.10.2009 | नन्दनकानन जू, ओडिसा | 15.07.2012 | 16 साल | काफी शरारती एवं फुर्तिले |
| 2 | सुभद्रा | मादा | 13.07.2010 | | 15.07.2012 | 15 वर्ष | |